भाषा चुनें हिन्दी | लाइव टीवी | NEWS18 ऐप डाउनलोड करें | हमें फॉलो करें

NEWS18 ब्लॉग

Trending Topics : #CoronaVirus #ExamResults #IndiaGives #NarendraModi #KanikaKapoor #CitizenshipBill

देश जीवन संवाद प्रदेश दुनिया मनोरंजन क्रिकेट नॉलेज मोबाइल-टेक खेल मनी फोटो लाइफ | लाइव टीवी

लेटेस्ट खबरें कोरोना वायरस दिल्ली-NCR करियर ऑटो मिशन पानी धर्म राशि वीडियो MP का संग्राम

होम » न्यूज » ब्लॉग

देवभूमि में रंगकर्म की अराधना और उत्सव के 7 दिन

चारुदत्त नाटक में प्रस्तुति देते थिएटर आर्टिस्ट.

NEWS18HINDI
LAST UPDATED: FEBRUARY 17, 2020, 11:57 AM IST

SHARE THIS:

मोहन जोशी

फरवरी का दूसरा हफ्ता, जब देश की राजधानी दिल्ली में सर्द हवाओं ने डेरा डाल रखा था, उत्तराखंड की राजधानी देहरादून की ठंड का आप अंदाजा तो लगा ही सकते हैं लेकिन रंगप्रेमियों के लिए ये दिन एक गर्मजोशी से भरी तासीर वाले रहे. वजह भारत रंग महोत्सव का सात-दिना आयोजन. देहरादून के रंगप्रेमियों के लिए ये पहला मौका रहा, जब देश के अलग-अलग हिस्सों के साथ ही श्रीलंका, बांग्लादेश और नेपाल की रंग टोलियां मंच पर एक अनोखा एहसास दे गईं. सात दिनों में गीज याका रिटर्न्स (श्रीलंका), महाभोज (नेपाल), ट्रेजडी ऑफ पोलश बाड़ी (बांग्लादेश), बोलीवियन स्टार्स (केरल-मलयालम), नासिका पुराण (कोलकाता-बंगाली), चारुदत्त (दिल्ली), अ ह्यूमन एंडेवर (जोरहाट, असम) जैसी प्रस्तुतियों ने रंगप्रेमियों के रंग-अनुभव को न केवल समृद्ध किया बल्कि देश-दुनिया में रंगमंच के बदलते मिजाज़ और तौर-तरीकों से बावस्ता होने का मौका भी दिया.

राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय हर वर्ष होने वाले इस नाट्य कुम्भ में अपने समानांतर संस्करण में अलग-अलग शहरों का चुनाव करता रहा है. अपने 21वें पड़ाव में पहाड़ों की ओर रुख किया और देहरादून तक उत्सव की धमक और चमक पहुंची. देहरादून के कला प्रेमियों, नाट्यकर्मियों और दर्शकों में इस तरह के पहले आयोजन को लेकर उत्साह का चरम पर होना स्वाभाविक है. उतराखंड के कला एवं संस्कृति विभाग के नवनिर्मित प्रेक्षाग्रह के उद्घाटन के लिए भी इससे बेहतर मौका और क्या होता. राष्ट्रीय नाट्य विद्यालय की हरी झंडी के बाद से इस आयोजन को सफल बनाने में सुवर्ण रावत और उनकी टीम ने खूब मशक्कत की और जब कार्यक्रम संपन्न हुआ तो सबसे ज्यादा खुशी इस टीम से जुड़े चेहरों पर ही नजर आई.

देहरादून में एक सप्ताह के इस नाट्य उत्सव की शुरुआत महाकवि भास के नाटक चारुदत्त से हुई. गाथा नाट्य समूह, दिल्ली की इस प्रस्तुति का निर्देशन भूपेश जोशी ने किया. नाटक के केंद्र में नायक चारुदत्त की उदारता है. एक समय चारुदत्त काफी संपन्न था लेकिन अपनी दानशीलता की वजह से एक वक्त ऐसा आता है कि उसकी झोली खाली हो जाती है. ज़िन्दगी के अभावों की सूखी ज़मीन पर खड़ा चारुदत्त अपने स्वाभिमान, शालीनता और मूल्यों के बल पर अपने पाँव ज़मीन पर मजबूती से जमाए रखने के द्वंद्व से गुजरता है. यूं तो नाटक चारुदत्त के आदर्शवाद का बखान करता है, पर दूसरी ओर ये वसंतसेना की बौद्धिकता, तार्किकता, कला-कौशल, विवेक, त्याग, समभाव और बराबरी के गुणों की ओर भी ध्यान खींचता है.

अ ह्यूमन एंडेवर नाटक का एक दृश्य.

फोटो

खुद सुरक्षित रहेंगे, तभी लड़ेंगे कोरोना से... ऋषिकेश में पुलिसकर्मियों को बांटी मेडिकल किट

कोरोना से बचने के लिए इम्युनिटी बढ़ाने वाली ये चीज़ें आपके घर में होना बहुत जरूरी

PHOTOS: ऊना में पुलिस कर्मियों को दी गई PPE किट्स, यहीं से होती है हिमाचल में एंट्री

कोविड-19 अपडेट
दुनिया
संक्रमित : 724,592
रोगमुक्त : 152,076
मृत्यु: 35,000

मूल्यों की कसौटी पर कई मर्तबा चारुदत्त पर भारी नजर आती है वसंतसेना. कथा में चारुदत्त के सामने एक वक्त ऐसा आता है जब वो वसंत सेना को अपनी ही पत्नी के गहने ये कहते हुए सौंपता है कि उसके आभूषण वो जुए में हार चुका है. दूसरी तरफ वसंतसेना हमेशा अपने मूल्यों पर अडिग दिखती है. वसंत सेना ने ऐश्वर्य की जगह प्रेम का और सत्ता की जगह सात्विकता का चयन किया. सच जानते हुए भी वसंतसेना ने चारुदत्त के भेजे आभूषणों को स्वीकार किया ताकि उसका स्वाभिमान आहत न हो. चारुदत्त के 'नायकत्व' को कायम रखने की कशमकश में वसंत सेना के 'नायकत्व' का विस्तार कहीं ज्यादा मुखर होकर सामने आता है.

नाटक का दृश्य-बंध सराहनीय रहा. नाटक में न्यूनतम सेट का इस्तेमाल किया गया है. दृश्य और परिवेश के कई बदलाव कम से कम समय में किए जा सके और स्थान-परिवेश का परिवर्तन बड़ी कुशलता से संप्रेषित किया गया. एक तरफ निर्धन चारुदत्त का घर और दूसरी ओर वसंतसेना का आलीशान कक्ष. इन दोनों दृश्यों के बीच सेट में अल्प हस्तक्षेप से दोनों की विविधता बड़ी आसानी से स्थापित हुई. प्रमुख पात्रों को छोड़ दें तो अन्य कलाकारों के अभिनय में निखार की गुंजाइश बनी हुई थी. इस प्रस्तुति का सबसे मजबूत पक्ष ललित मोहन पोखरिया का नाट्यानुवाद रहा. संवाद काफी चुस्त और स्वाभाविक थे. संस्कृत से अनुवाद की बजाय हिंदी के मौलिक नाटक सा रस मिला.

इस महोत्सव की दूसरी प्रस्तुति 'अ ह्यूमन एन्डेवर' ने देहरादून के दर्शकों को एक नए रंग प्रयोग से रूबरू कराया. ब्रह्मपुत्र कल्चरल फाउंडेशन, जोरहाट के समूह की इस प्रस्तुति का निर्देशन युवा और प्रतिभाशाली रंगकर्मी शिल्पिका बोर्दोलोई ने किया. नाटक में देह भाषा को अभिव्यक्ति का प्रमुख जरिया बनाया गया. इस नाटक का सबसे दिलचस्प पक्ष इसका कथ्य है, जो 'मैरी शैली' के विख्यात उपन्यास 'फ्रैंकनस्टाइन' की रचना प्रक्रिया पर आधारित है. नाटक 'अ ह्यूमन एन्डेवर', फ्रैंकनस्टाइन की कहानी नहीं कहता बल्कि फ्रैंकनस्टाइन उपन्यास कैसे मुमकिन हो पाया, इसकी कहानी बताता है. फ्रैंकनस्टाइन एक ऐसे वैज्ञानिक की कहानी है जो एक मुर्दाघर में अलग अलग इंसानों की हड्डियों को जोड़कर एक नए इंसान का निर्माण कर उसे पुनर्जीवित करता है. ये जीवित होने पर इंसान न होकर एक दैत्य में परिवर्तित हो जाता है.

इस उपन्यास की लेखिका मैरी शैली जब एक बार अपने दोस्तों के साथ घूमने गईं थी तो सबने ये तय किया कि हर कोई एक हॉरर कहानी सुनाएगा. मैरी शैली को उस दिन तो कोई हॉरर कहानी नहीं सूझी, पर रात में जब वो सोने गयी तो उन्होंने एक भयावह सपना देखा. यही बाद में फ्रैंकनस्टाइन का कथा सूत्र बना.

> ***फ्रैंकनस्टाइन उपन्यास 1818 में पहली बार प्रकाशित हुआ, जिसे आगे जाकर एक क्लासिक उपन्यास का दर्जा हासिल हुआ. शिल्पिका ने मैरी शैली के इसी सपने को केंद्र में रखकर अपने नाटक की रचना की. पर नाटक में समायोजित बिम्ब, दृश्य, और विचार समसामायिक है. नाटक कई प्रश्न खड़े करता है - जैसे क्या मनुष्य और दैत्य एक ही हैं? मनुष्य दैत्य का विकसित रूप है या कि दैत्य अपने परिष्कृत रूप में मनुष्य हो जाता है? प्रस्तुति एक तरह का एकालाप है, जो विकास, आधुनिकता,वैश्वीकरण, राजनैतिक प्रभुता को चैलेंज करती है. इस प्रक्रिया में निर्मित होने वाले विकराल और डरावने समाज को नाटक फ्रैंकनस्टाइन के दैत्य के रूपक की तरह सामने लाता है. इसके अलावा नाटक स्त्री के साथ होने वाली हिंसा को बिना शब्दों के इस कदर संप्रेषित करता है कि उसकी चीख़ दर्शकों के जेहन में बस जाती है. नाटक में कहीं-कहीं असमिया और अंग्रेजी भाषा का इस्तेमाल किया गया है मगर अधिकांश नाटक अभाषिक है. नाटक शुरू होने के कुछ पल बाद ही संवाद की अनुपस्थिति दर्शकों के लिए अवरोध नहीं रह जाती बल्कि निर्देशक-अभिनेता की ताकत है कि दैहिक अभिव्यक्ति के इस प्रयोग के साथ दर्शक नाटक के साथ अंत तक जुड़ा रहता है.***

प्रस्तुति समाप्त होने के बाद भी दर्शकों में इस नाटक को लेकर काफी उत्सुकता का होना भी, इसका प्रमाण दे गया. लोगों के मन में कथ्य और शैली को लेकर कई प्रश्न थे इसलिए सवाल- जवाब का सिलसिला नाटक से भी लम्बा चलता रहा. नाटक का विश्लेषण कई स्तर और अर्थ पर किया जा सकता है पर निर्देशिका शिल्पिका इस बात पर जोर देती हैं कि इसे सब्जेक्टिव रहने दें. दर्शक अपने अपने ढंग से इसका विश्लेषण करें और ये मंचन एक वैयक्तिक अनुभूति के तौर पर निरंतर दर्शक के मन को मथता रहे.

नाटक में संगीत का चयन बेहद प्रभावशाली तरीके से किया गया है. कहीं स्वाभाविक ध्वनियों जैसे चीखना, सांसों की आवाज़, बदहवासी की बुदबुदाहट है तो कहीं मशीन की कर्कश ध्वनियां और कहीं इन दोनों तरह की ध्वनियों के मिश्रण का अपना अलग प्रभाव. इस प्रभाव से कथ्य और ध्वनि में एकरूपता दिखती है. मंच पर सभी पात्र मैरी शैली की भूमिका में नज़र आते हैं इसलिए वस्त्र संयोजन में सबको एकरंगी सफ़ेद पोशाक दी गयी है. सफ़ेद पोशाक के कारण प्रकाश में विविधता और स्वाभाव बड़े प्रभावी ढंग से निकल कर आता है. शिल्पिका खुद मंच पर अभिनय कर रही हैं और वो कई पारंपरिक और शास्त्रीय नृत्य शैलियों में पारंगत हैं. कलाकारों की दैहिक भाषा में एकरूपता , लयात्मकता और लालित्य ने नाटक के प्रभाव को बढाया है. कुल मिलाकर 'अ ह्यूमन एन्डेवर' में प्रयोग, कथ्य, दृश्य-बिम्ब, दैहिक सरचानाओं के कॉकटेल को हम दर्शकों की निगाह से एक सफल प्रस्तुति के कोटे में डाल सकते हैं.

News18 Hindi पर सबसे पहले Hindi News पढ़ने के लिए हमें यूट्यूब, फेसबुक और ट्विटर पर फॉलो करें. देखिए ब्लॉग से जुड़ी लेटेस्ट खबरें.

First published: February 17, 2020, 11:52 AM IST

कोविड-19 अपडेट

दुनिया

संक्रमित : 724,592

रोगमुक्त : 152,076

मृत्यु: 35,000

देवभूमि में रंगकर्म की अराधना और उत्सव के 7 दिन | सुनो सरकार, सेनेटरी पैड्स भी तो अत्यावश्यक वस्तु है... | Opinion: कोरोना की महामारी से बचने के लिए रोकनी होगी भ

LIVE TV | NEWS18 | NEWS18 गुजराती | NEWS18 बांग्ला | NEWS18 राजस्थान | NEWS18 बिहार | NEWS18 मध्यप्रदेश | NEWS18 उत्तरप्रदेश

सेक्शन
- पॉलिटिक्स
- देश
- राज्य
- लाइफस्टाइल
- क्रिकेटनेक्स्ट
- मनोरंजन
- सिटी
- दुनिया
- फोटो
- वीडियो

ताजा खबरें
- कपिल शर्मा ने बताया बेटी अनायरा के साथ कैसे गुजर रहा है वक्त
- COVID-19: भीलवाड़ा में 30 लाख लोगों का किया गया सर्वे, ये है वजह
- कोरोना वायरस से लड़ाई में पाक के साथ आया चीन, बना रहा हॉस्पिटल
- COVID-19: इन 22 लाख लोगों को 50-50 लाख का बीमा कवर देगी ये सरकारी कंपनी
- घर पर बैठे-बैठे परेशान हुए डेविड वॉर्नर, मिली महाभारत और रामायण देखने की सलाह

- हमारे बारे में
- डिस्क्लेमर
- संपर्क करें
- फीडबैक
- Sitemap
- Complaint Redressal
- Advertise With Us
- Privacy Policy
- Cookie Policy

Network 18 Sites
News18 India | CricketNext | News18 States | Bangla News | Gujarati News | Urdu News | Marathi News | TopperLearning | Moneycontrol | Firstpost | CompareIndia | History India | MTV India | In.com | Burrp | Clear Study Doubts | CAprep18 | Education Franchisee Opportunity

CNN name, logo and all associated elements ® and © 2017 Cable News Network LP, LLLP. A Time Warner Company. All rights reserved. CNN and the CNN logo are registered marks of Cable News Network, LP LLLP, displayed with permission. Use of the CNN name and/or logo on or as part of NEWS18.com does not derogate from the intellectual property rights of Cable News Network in respect of them. © Copyright Network18 Media and Investments Ltd 2016. All rights reserved.

कोविड-19 अपडेट
दुनिया
संक्रमित : 724,592
रोगमुक्त : 152,076
मृत्यु: 35,000